Hindustan (Hindi)
(Gorakhpur Ed.)
March 27, 2018
Pg.4

EDII

देश में उद्यमिता विकास की प्रचुर संभावनाएं

गोरखपुर | कार्यालय संवाददाता

सेमिनार

- डीडीयू के वाणिज्य विभाग के सेमीनार के उद्घाटन सत्र में बोले आईडीआईआई के निदेशक
- चार सालों में देश की प्रतिष्ठा पूरी दुनिया में बढ़ी, बावजूद इसके भारत खुशहाली व आर्थिक मानकों पर काफी पीछे : प्रो. बीपी सिंह

भारत में लाख चुनौतियों के बावजूद उद्यमिता विकास की काफी अच्छी संभावनाएं है। अनेक बाधाओं व चुनौतियों के बावजूद उद्यमिता विकास के अच्छे परिणाम व आशावादी भावी संकेत मिल रहे हैं।

डीडीयू के वाणिज्य विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में 'वैश्विक सन्दर्भ में उद्यमिता संवर्धन : मुद्दे तथा चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए यह बातें भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के निदेशक प्रोफेसर सुनील शुक्ल ने कही। उन्होंने भारत में उद्यमिता विकास का विश्लेषण प्रस्तुत किया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के सहयोग से आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता बोलते हुए आईटीएम जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रोफेसर तथा पूर्व कुलपति प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने विश्व भर में उद्यमिता की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुरु गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विवि व दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़े प्रो. बीपी सिंह ने कहा कि विश्व आर्थिक प्रतिद्वन्द्वियों तथा विश्व खुशहाली सूचकांक के अधिकांश मानकों पर भारत विश्व ही नहीं एशिया के भी कई देशों से काफी पीछे चल रहा है। यहां तक कि चीन, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार आदि भी भारत से आगे हैं। यह अच्छी बात है कि पिछले तीन चार सालों में भारत ने काफी प्रगति की है। इसे जारी रखना होगा। साढ़े तीन बजे से सेमिनार के दो तकनीक सत्रों का आयोजन किया गया।